उत्तर प्रदेश में ग्रामीण विकास कार्यक्रम के अधीन गांवों का विकास

3282. **श्री सत्य प्रकाश मालवीय :** क्या **प्रधान मंत्री** यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) उत्तर प्रदेश में ग्रामीण विकास कार्यक्रम के अधीन अब तक कितने गांवों का विकास किया गया और उन्हें लाभ पहुंचाया गया तथा उस पर कितनी धनराशि व्यय की गयी और भावी-योजनाओं का ब्यौरा क्या है;

(ख) उत्तर प्रदेश में कुल कितने गांव हैं और गांवों और ग्रामीणों की परिभाषा क्या है; और

(ग) विगत पंचवर्षीय योजना के दौरान ग्रामीण विकास का क्या लक्ष्य निर्धारित किया गया था और उक्त लक्ष्य को किस हद तक हासिल कर लिया गया है ?

ग्रामीण विकास मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री उत्तमभाई एच० पटेल) : (क) उत्तर प्रदेश में विभिन्न केन्द्रीय प्रायोजित ग्रामीण विकास कार्यक्रम अर्थात समन्वित ग्रामीण विकास कार्यक्रम (आई. आर.डी.पी.), जवाहर रोजगार योजना (जे.आर.वाई.), त्वरित ग्रामीण जल सप्लाई कार्यक्रम (ए.आर.डब्ल्यू.एस.पी. तथा सूखाग्रस्त क्षेत्र कार्यक्रम (डी.पी. ए.पी.) कार्यान्वित किए जा रहे हैं। समन्वित ग्रामीण विकास कार्यक्रम, जवाहर रोजगार योजना तथा त्वरित ग्रामीण जल सप्लाई कार्यक्रम राज्य के सभी गांवों को कवर करते हैं, जबकि सूखा ग्रस्त क्षेत्र कार्यक्रम केवल सूखाग्रस्त क्षेत्रों 7 ही कवर करता है। सातवीं पंचवर्षीय योजना के दौरान उत्तर प्रदेश में उपरोक्त कार्यक्रमों के कार्यान्वयन पर 2468.58 करोड़ रुपये की धनराशि खर्च की गई थी। आठवीं योजना के लिए लक्ष्यों तथा आवंटनों को अभी निर्धारित किया जाना है।

(ख) उत्तर प्रदेश के गांवों की कुल संख्या 112566 है। भारत की जनगणना के अनुसार वे सभी बस्तियां ग्रामीण क्षेत्र समझी जाती हैं जो "शहरी शब्द की परिभाषा के अंतर्गत नहीं आती हैं 1991 की जनगणना रिपोर्ट में अपनाई गई शहरी क्षेत्र की परिभाषा निम्न-प्रकार है :–

"(1) सभी क्षेत्र जहां नगरपालिका, कारपोरेशन, छावनी, बोर्ड अथवा अधिसूचित शहरी क्षेत्र समिति आदि हैं।

(2) अन्य सभी स्थान जो निम्नलिखित मानदण्ड पर पूरे उतरते हों :

—5,000 की न्यूनतम जनसंख्या;

—कम से कम 75 प्रतिशत पुरुष जनसंख्या गैर-कृषि व्यवसायों में लगी हो; तथा

—कम से कम 400 व्यक्ति प्रति किलोमीटर जनसंख्या का घनत्व;

ग्रामीण वे हैं जो गांवों में रहते हैं।

(ग) सातवीं पंचवर्षीय योजना के दौरान केन्द्रीय प्रायोजित ग्रामीण विकास कार्यक्रमों के अंतर्गत लक्ष्यों तथा उपलब्धियों का ब्यौरा संलग्न विवरण में दिया गया है।

विवरण

सातवीं पंचवर्षीय योजना के दौरान उत्तर प्रदेश के लिए ग्रामीण विकास कार्यक्रम हेतु लक्ष्य तथा उपलब्धियां नीचे दिखाई गई हैं :—

कार्यक्रम का नाम	इकाई	लक्ष्य	उपलब्धि	प्रतिशत उपलब्धि
समन्वित ग्रामीण विकास कार्यक्रम (आई०आर० डी०पी०)	परिवार	3125267	3359465	107.49
राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार कार्यक्रम (एन०आर०ई०पी०) (1985–86 से 1988–89)	लाख श्रमदिन	2031.63	2333.59	114.86
ग्रामीण भूमिहीन रोजगार गारंटी कार्यक्रम (1985–86 से 1988–89)	लाख श्रमदिन	1703.55	2124.13	124.69
जवाहर रोजगार योजना (जे० आर० वाई०) (1989–90)	लाख श्रमदिन	1436.28	1624.93	113.13
त्वरित ग्रामीण जल सप्लाई कार्यक्रम (ए०आर०डब्ल्यू०एस०पी०)	समस्याग्रस्त गांव	43906	42894	97.70
सूखाग्रस्त क्षेत्र कार्यक्रम (डी०पी० ए०पी०)	1. भूमि विकास हैक्टेयर में	136024	105351	77
	2. जल संसाधन विकास हैक्टेयर में	64916	27523	42
	3. वानिकी हैक्टेयर में	51134	45023	88

Plan for Thar Desert in Rajasthan

@3283. SHRI DHULESHWAR MEENA: Will the PRIME MINISTER be pleased to state:

(a) whether Government have formulated any long-term plan to contain the Thar Desert in Rajasthan;

(b) if so, what are the salient features thereof and the extent of success achieved; and

(c) the extent to which the International Tree Crops Institute, Baroda has succeeded in spreading new techniques among farmers in the sphere of reclamation and checking of degradation of land?

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF RURAL DEVELOPMENT (SHRI G. VENKAT SWAMY): (a) The Desert Development Programme (DDP) is already in operation in Rajasthan since 1977-78 as a Central Sector scheme.

(b) The Programme aims to control the process of desertification, mitigate the effects of drought in desert areas and re-

@Previously Unstarred Question 2276, transferred from the 13th December, 1991.